

## Semester 4

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
<b>Core Course(s)</b>														
CC-A10	संस्कृत व्याकरण का सामान्य परिचय	240/SKT/CC410	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A11	खण्डकाव्य	240/SKT/CC411	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A12	शतक काव्य	240/SKT/CC412	3	1		3	1		4	30	70			100
<b>Minor/ Vocational Course(s)</b>														
MIC/VOC-4	संस्कृत भाषा में पत्रकारिता								4					100
<b>Ability Enhancement Course(s)</b>														
AEC-4	संस्कृत भाषा एव. सम्प्रेषण-4								2					50
<b>Value-added Course(s)</b>														
VAC-3	चाणक्य नीति								2					50
<b>Total Credits</b>									<b>20</b>					<b>500</b>

**B A Sanskrit**  
**Semester – 4 Paper-1**

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
CC-A10	संस्कृत व्याकरण का सामान्य परिचय	240/SKT/CC410	3	1	-	3	1	-	4	30	70	-	-	100

**अधिगम उपलब्धि:-**

- 1.विद्यार्थियों को व्याकरण शास्त्र के इतिहास का ज्ञान प्राप्त होगा ।
- 2.विद्यार्थियों को ,कारकों का प्रयोग कैसे किया जाता है इसका बोध कराया जाएगा।

**अधिगम उद्देश्य :-**

- 1.संस्कृत भाषा में प्रयुक्त समास का ज्ञान प्राप्त होगा ।
2. व्याकरण शास्त्र के इतिहास का ज्ञान प्राप्त कराने हेतु।
3. विद्यार्थियों को व्याकरण शास्त्र के इतिहास का ज्ञान प्राप्त कराने हेतु।

**पाठ्यक्रम:**

**इकाई- 1** संज्ञा प्रकरण (लघु सिद्धांत कौमुदी)

**इकाई- 2** अच्,हल्, विसर्ग सन्धिं, ( सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक संधि एवं संधि विग्रह)

**इकाई -3** कृदन्त प्रकरण-क्त, क्तवतु, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, शतृ, शानच्, घञ् ,अच् ।

**इकाई- 4** समास प्रकरण - अव्ययीभावसमास, तत्पुरुषसमास, बहुव्रीहिसमास, द्वन्द्वसमास ।

**दिशा निर्देश:-**

- प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रत्येक यूनिट में से दो पूछे जाएंगे  
16
- शेष चार प्रश्न यूनिट अनुसार दिशा निर्देश अधोलिखित हैं:-
- इकाई- 1 (क) आठ में से किन्हीं चार प्रत्याहारों का विवरण 08
- इकाई- 2 (क) चार में से किन्हीं दो की सोदाहरण परिभाषा। 08
- (ख) आठ में से किन्हीं पांच प्रयोगों में संधि अथवा विग्रह प्रदर्शन । 08

- इकाई-3(क) आठ शब्दों में से किन्हीं चार में प्रकृति प्रत्यय प्रदर्शन । 08
- (ख) आठ में से चार की परिभाषा उदाहरण सहित । 08
- इकाई- 4 (क) 8 शब्दों में से किन्हीं चार पदों का समस्त या विग्रह रूप। 08
- (ख) चार पदों में से है किन्हीं दो के लक्षण एवं उदाहरण । 06

**B A Sanskrit**  
**Semester 4<sup>th</sup> Paper-2**

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
CC-A11	संस्कृत खंडकाव्य 'मेघदूत एवं ऋतुसंहार'	240/SKT/ CC411	3	1	-	3	1	-	4	30	70	-	-	100

**अधिगम उपलब्धि:-**

- विद्यार्थियों को संस्कृत खंडकाव्य 'मेघदूत एवं ऋतुसंहार' स्वरूप के अंतर्गत शिक्षा के उद्देश्य एवं गुरुकुल शिक्षा व्यवस्था का ज्ञान कराया जाएगा।
- प्राचीन भारतीय शिक्षा के अंतर्गत 14 विद्याओं और 64 कलाओं का परिचयात्मक ज्ञान कराया जाएगा।
- संस्कृत भाषा में प्रयुक्त शब्द रूपों एवं धातु रूपों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- संस्कृत भाषा में प्रयुक्त स्वर संधि का ज्ञान प्राप्त होगा।

**अधिगम उद्देश्य:-**

- विद्यार्थियों को संस्कृत खंडकाव्य 'मेघदूत एवं ऋतुसंहार' के स्वरूप के अंतर्गत शिक्षा के उद्देश्य एवं गुरुकुल शिक्षा व्यवस्था का ज्ञान कराने हेतु।
- प्राचीन भारतीय शिक्षा के अंतर्गत 14 विद्या और 64 कलाओं का ज्ञान कराने हेतु।
- संस्कृत भाषा में प्रयुक्त शब्द रूप एवं धातु रूपों का ज्ञान कराने हेतु।
- संस्कृत भाषा में प्रयुक्त स्वर संधि का ज्ञान कराने हेतु।

**पाठ्यक्रम:**

**इकाई- 1** कालिदास कृत 'मेघदूत' (पूर्व मेघ)

**इकाई- 2** कालिदास कृत 'मेघदूत' (उत्तर मेघ)

### इकाई- 3 खंडकाव्य का इतिहास

(क) कालिदास का समय व्यक्तित्व एवं कृतित्व ।

(ख) उपमा 'कालिदासस्य' ।

(ग) संदेश काव्य के रूप में मेघदूत की समीक्षा ।

### इकाई- 4 किन्हीं चार पर टिप्पणी

(क) ऋतुसंहार ।

(ख) लवंगदूतम् ।

(ग) पवनदूतम् ।

(घ) भाती में भारतम् ।

### दिशा निर्देश:-

- प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रत्येक यूनिट में से दो पूछे जाएंगे -16
- शेष चार प्रश्न प्रत्येक यूनिट अनुसार निर्देश अधोलिखित हैं:-
- इकाई- 1 (क) चार श्लोको में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए -10
- (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न -06
- इकाई- 2 (क) किन्हीं चार श्लोक में से दो की व्याख्या -10
- (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न -06
- इकाई- 3 (क) संस्कृत साहित्य में वर्णित खंडकाव्य के इतिहास पर प्रकाश डालिए - 08
- (ख) दो में से किसी एक पर टिप्पणी कीजिए -06
- इकाई- 4 चार में से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए -08

**B A Sanskrit**  
**Semester - 4<sup>th</sup> Paper-3**

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
CC-A12	संस्कृत साहित्य में शतक काव्य	240/SKT/CC412	3	1	-	3	1	-	4	30	70	-	-	100

**अधिगम उपलब्धि:-**

- विद्यार्थियों को शतक काव्य के माध्यम से आत्मा का स्वरूप, योग का महत्व, कर्मफल त्यागपूर्वक कर्म की श्रेष्ठता, स्थित प्रज्ञ का स्वरूप, क्रोध आदि दोषों का त्याग एवं इंद्रिय संयम के महत्व का ज्ञान प्राप्त होगा।
- संस्कृत भाषा में प्रयुक्त पुल्लिङ्ग, स्त्रीलिङ्ग, नपुंसकलिङ्ग, शब्द रूपों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- संस्कृत भाषा में प्रयुक्त पांचो लकारों में धातु रूपों का ज्ञान प्राप्त होगा।

**अधिगम उद्देश्य :-**

- विद्यार्थियों को शतक काव्य के अंतर्गत आने वाले विषयों से अवगत कराने हेतू।
- संस्कृत भाषा में प्रयुक्त शब्द रूप एवं धातु रूपों का ज्ञान कराने हेतू।

**पाठ्यक्रम:**

**इकाई- 1** नीति शतक (1 से 50 श्लोक)।

**इकाई- 2** वैराग्य शतक (1 से 50 श्लोक)।

**इकाई- 3** संस्कृत शतक साहित्य का इतिहास ।

**इकाई- 4** संस्कृत साहित्य के प्रसिद्ध शतक रचनाकार

(क) भृतृहरि

(ख) शालिवाहन या हाल

(ग) अमरूक

(घ) भल्लट

(ड) गोवर्धनाचार्य

**दिशा निर्देश:-**

- प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रत्येक यूनिट में से दो पूछे जाएंगे । 16
- शेष चार प्रश्न प्रत्येक यूनिट अनुसार दिशा निर्देश अधोलिखित हैं।
- इकाई- 1 (क) चार श्लोक में से किन्हीं दो की व्याख्या । 10
- (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न 06
- इकाई- 2 (क) चार श्लोक में से किन्हीं दो की व्याख्या । 10
- (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न 06
- इकाई- 3 शतक साहित्य के इतिहास पर प्रकाश डालिए । 10
- इकाई- 4 शतक साहित्य के रचनाकारों में से दो पर टिप्पणी कीजिए। 12